हथेली में क्रोस है तो उसका बहुत बुरा प्रभाव देखने को मिलेगा, सावधान हो जायें. यदि रहस्य क्रोस है तो आप दुनिया के एक महान व्यक्ति हैं.

हथेली में क्रोस व रहस्य क्रोस का प्रभाव----

हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार हमारी हथेली पर ऐसे कई निशान होते हैं जो छोटी-छोटी रेखाओं के मिलने या टकराने से बनते हैं। इनमें कुछ निशान हमें शुभ फल प्रदान करते हैं, किंतु कुछ बेहद अशुभ होते हैं।

आज हम आपको हथेली के एक ऐसे अशुभ निशान 'क्रॉस' के बारे में बताने जा रहे हैं।

यदि हम हथेली की रेखाओं को ध्यान से देखेंगे तो कई प्रकार के निशान दिखाई दे सकते हैं। छोटी-बड़ी रेखाएं, एक-दूसरे के साथ मिलकर कई प्रकार के चिह्न निर्मित करती हैं। हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार रेखाओं से बनने वाले कुछ चिह्न शुभ होते हैं तो कुछ अशुभ भी होते हैं। ऐसा ही एक अशुभ चिह्न है रेखाओं से बना क्रॉस का निशान। यहां जानिए हथेली के किस स्थान पर क्रॉस का चिह्न कैसा फल प्रदान करता है...

क्रास चिन्ह बहुत कम स्थितियों में ही यह अनुकूल या शुभ माना जाता है। यह चिन्ह कष्ट, निराशा, खतरा एवं कभी-कभी जीवन के उन परिवर्तनों का भी सूचक होता है, जो कष्ट से उत्पन्न होते है।

कुछ बड़ी रेखाएं जैसे जीवन रेखा, हृदय रेखा, मस्तिष्क रेखा आदि में बहुत कम बदलाव होते हैं, लेकिन छोटी-छोटी रेखाएं और छोटे-छोटे चिह्न बनते-बिगड़ते रहते हैं। ये चिह्न हमारे कर्मों के आधार पर बनते हैं या समाप्त हो जाते हैं। क्रॉस का चिह्न भी ऐसा ही है। यह चिह्न गणित के गुणा चिह्न (x) के समान दिखाई देता है।

कई बार दो रेखाएं जब आकर एक-दूसरे के साथ काटती हैं, तब यह निशान बनता है। हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार हथेली पर बना क्रॉस का निशान मुसीबत, निराशा, खतरा और कभी-कभी जीवन में संकट का संकेत देता है। क्रॉस के लक्षण विभिन्न पर्वतों और रेखाओं की स्थिति पर निर्भर करते हैं।

ये निशान शत्रु और चोटों के कारण मुसीबत को दर्शाता है। अगर आपकी हथेली में ये निशान है तो आपको अपने जीवन में बहुत संघर्ष करना पड़ेगा। ये झगड़े और हिंसा का भी संकेतक है। वहीं इसे मृत्यु का संकेत भी कह सकते हैं।_

अगर आपकी हथेली में क्रॉस का निशान है तो आपको संभल जाना चाहिए।
हम विचार करते हैं कि हथेली में कहां क्रोस होने पर उसका क्या प्रभाव पड.ता है. ----------

सूर्य पर्वत पर क्रॉस--------

यदि क्रॉस का निशान सूर्य पर्वत पर हो तो जातक हमेशा बदनामी का पात्र बना रहता है। ऐसे जातक को कारोबार में हमेशा घाटा होता है।

सूर्य ग्रह हमें समाज में यश, सम्मान और प्रतिष्ठा दिलाता है, और इसी पर्वत पर अशुभ चिह्न का होना मुसीबतें खड़ी कर देता है। सूर्य पर्वत पर स्थित क्रॉस संकट को दर्शाता है। यह व्यक्ति को प्रसिद्धि, कला या धन की खोज में निराशाजनक संकेत देता है।

चंद्र पर्वत पर क्रॉस-------

चंद्र पर्वत पर क्रॉस हो तो व्यक्ति कल्पना से प्रभावित रहेगा। व्यक्ति सदैव सपनों की दुनिया मे रह कर खुद को धोखा देगा।

मंगल पर्वत पर क्रोस --------

यदि मंगल पर्वत पर क्रॉस का चिह् दिखें तो जातक लड़ाई झगड़ो में विश्वास करने वाला होता है । ईसी के चलते जातक को जेल की भी हवा खानी पड़ सकती है । इस तरह के जातक आत्म हत्या कर सकते है ।

यदि बृहस्पति के नीचे मंगल क्षेत्र पर चिन्ह हो तो लड़ाई-झगड़े या हिंसात्मक आक्रमण से जातक की मृत्यु हो सकती है। यह व्यक्ति में शत्रु और चोटों के कारण संकट को दर्शाता है। यह संघर्ष, झगड़े और हिंसा द्वारा मृत्यु का भी संकेत देता है। ऐसे व्यक्ति का अगर किसी के साथ झगड़ा हो, तो वह प्राय: उग्र रूप ले लेता है।

यदि चिन्ह बुध के नीचे मंगल-क्षेत्र पर हो तो यह शत्रुओं द्‌वारा भयानक विरोध की ओर संकेत करता है।

बुध पर्वत पर क्रोस--------

यदि बुद्‌ध पर्वत पर क्रॉस का निशान दिखाई दे तो इस तरह के जातकों से हमेशा दूर रहना चाहिए । ये जातक धोखेबाज़ ठग और झूठे होते है जातक बेईमान होता है। वह कहता कुछ है और करता कुछ और है अर्थात उसकी कथनी-करनी में भिन्नता होती है। इस पर्वत पर क्रॉस व्यक्ति की बेईमान प्रकृति को दर्शाता है। व्यक्ति अच्छे मस्तिष्क होने के बावजूद दोहरी प्रकृति का होता है। यह निशान व्यक्ति की बुद्‌धि को नष्ट करने का काम भी करता है। सब कुछ जानते हुए भी वह बुरे कर्म करने लगता है।

बृहस्पति पर्वत पर क्रोस--------

हाथ में केवल इस पर्वत पर शुभ रहता है क्रॉस का निशान------

यदि किसी जातक के गुरु पर्वत पर क्रॉस का निशान होता है तो जातक को सभी तरह का सुख मिलता है। ऐसे जातक को शिक्षित एवं धनी कुल का जीवनसाथी मिलता है। वह सुखी वैवाहिक जीवन जीता

है। क्रॉस का निशान केवल गुरु पर्वत पर ही शुभ होता है। अन्य स्थान पर होने से इसका अच्छा लाभ नहीं मिलता। हथेली में बृहस्पति-क्षेत्र पर इस चिन्ह को शुभ माना जाता है। इस स्थान पर चिन्ह होने का मतलब है कि कम से कम कोई एक घनिष्ठ सम्बन्ध जातक का जरूर होगा, अगर भाग्य रेखा चन्द्र पर्वत से प्रारम्भ हुई हो तो ऐसा निश्चित रूप से होता है। और ऐसा जातक जीवन में अध्यापन का कार्य करता है।

- बृहस्पति क्षेत्र के क्रास चिन्ह की एक विशेषता यह भी होती है कि प्रेम का सम्बन्ध उसके जीवन में कब प्रभाव डालेगा। यदि यह क्रास चिन्ह जीवन रेखा के आरम्भ में और हथेली के किनारे पर होता है तो जीवन के प्रारम्भिक काल में, यदि यह चिन्ह वृहस्पति पर्वत के शिखर पर हो तो मध्यमावस्था में और अगर यह क्रास चिन्ह बृहस्पति पर्वत के मूल स्थान में हो तो जीवन के अन्तिम भाग में व्यक्ति के जीवन पर प्रेम सम्बन्ध का प्रभाव पड़ता है।

- क्रॉस ज्यादातर नुकसानदेह परिणाम ही देता है, लेकिन जब यह किसी व्यक्ति के लिए शुभ बनता है, तो जरूरत से ज्यादा फल देता है। हथेली के सभी पर्वतों की तुलना में अगर क्रॉस का निशान गुरु पर्वत पर है, तो ऐसे व्यक्ति की किस्मत खुल जाती है।

- हथेली मे गुरु पर्वत पर स्थित क्रॉस शुभ संकेत की ओर इंगित करता है। ऐसा व्यक्ति सुख, समृद्धि, ढेर सारी संपत्ति का मालिक होता है. ऐसे लोग शिक्षा के क्षेत्र में भी अव्वल होते हैं।

शुक्र पर्वत पर क्रोस--------

जब क्रॉस शुक्र पर्वत पर स्थित हो तो कुछ संकट या प्रेम संबंध में कष्ट का संकेत देता है। शुक्र प्रेम संबंधों और विलासिता का कारक माना गया है, जब क्रॉस शुक्र पर्वत पर स्थित हो तो कुछ संकट या प्रेम संबंध में कष्ट का संकेत मिलता है। अगर क्रॉस का निशान भाग्य रेखा पर हो तो उस व्यक्ति को करियर में कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। रिश्तेदारों का विरोध और भविष्य में कठोर परिवर्तन आता है। अगर क्रॉस का चिह्न मस्तिष्क रेखा को छू ले तो यह मस्तिष्क पर चोट या दुर्घटना की भविष्यवाणी करता है।

- अगर यह चिन्ह शुक्र क्षेत्र पर बडा. हो तो प्रेम के अत्यधिक परिणामों एवं प्रभावों के सम्बन्ध में सूचना देता है परन्तु यदि यह क्रास चिन्ह छोटा तथा जीवन रेखा के निकट हो तो रिश्तेदारों से लड़ाई-झगड़ा एवं परेशानियों का सूचक होता है।
- यदि यह चिन्ह मंगल के मैदान में भाग्य रेखा के किनारे पर यानि जीवन रेखा तथा भाग्य रेखा के बीच में क्रास चिन्ह हो तो जातक के सम्बन्धी उसकी जीवनवृत्ति पर ऐसा प्रभाव डालते है, जिससे उसके भाग्य में बेहतर परिवर्तन होता है। किन्तु यदि यह

चिन्ह भाग्य रेखा के दूसरी तरफ यानी कि चन्द्र पर्वत की तरफ हो तो यात्रा में कष्ट व निराशा का सामना करना पड़ता है।

- यदि यह चिन्ह मस्तक रेखा के उपर हो और उसे स्पर्श भी कर रहा हो तो जातक किसी ऐसी दुर्घटना का शिकार होता है, जिसमें उसकी मृत्यु तक हो सकती है।
- अगर क्रास चिन्ह भाग्य रेखा पर हो तो धन हानि और यदि ह्रदय रेखा पर हो तो किसी ऐसे व्यक्ति की मृत्यु का सूचक होता है, जिसे जातक अत्यधिक प्रेम करता है।

शनि पर्वत पर क्रोस--------

यदि शनि पर्वत पर क्रॉस का निशान हो तो जातक को लड़ाई में चोट लगती है ऐसे जातक के अकाल मृत्यु तक हो जाती है । यदि क्रास चिन्ह शनि क्षेत्र पर हो और यह भाग्य रेखा को स्पर्श करता हो तो यह जातक की हिंसा या दुर्घटना के कारण होने वाली मृत्यु की ओर संकेत करता है किन्तु यदि यह चिन्ह शनि पर्वत के मध्य में हो तो व्यक्ति की भाग्यवादी सोच में वृद्धि करता है।

राहु पर्वत पर क्रोस--------

राहु पर्वत पर क्रॉस का चिन्ह होना जातक को यौवन काल में दुःख देता है इस तरह के जातक चेचक आदि रोगों के शिकार हो सकते है ।

केतु पर्वत पर क्रोस--------

यदि किसी जातक का केतु पर्वत पर क्रॉस का निशान हो तो जातक की शिक्षा किसी परिवारिक समस्या के चलते नही हो पाती या फिर इस तरह के जातक बचपन में बहुत अधिक बीमार रहते है ।

हृदय रेखा पर क्रॉस------

यदि यह भाग्य रेखा की ओर हो, तो दर्शाता है कि धन प्राप्ति मे निराशा मिलेगी, लेकिन हृदय रेखा पर होना किसी प्रिय की मृत्यु का संकेत देता है।

यदि जातक के ह्रदय रेखा पर क्रॉस का चिह्न हो तो जातक को ह्रदय में होने वाली बीमारी का खतरा रहता है ।

जीवन रेखा पर क्रॉस------

जातक की जीवन रेखा पर क्रॉस का निशान है तो वह मृत्युतुल्य कष्ट भोगता है। अगर जीवन रेखा क्रॉस के निशान से आगे नही जाती तो जातक की मौत भी हो सकती है ।

क्रॉस का निशान जब जीवन रेखा के करीब हो तो व्यक्ति को अपने घनिष्ठ रिश्तेदारों द्वारा संकट प्राप्त होता है।

सूर्य रेखा पर क्रॉस------

अगर यह क्रास चिन्ह सूर्य रेखा पर हो तो ऐसे व्यक्ति को कला, धन एवं प्रसिद्धि पाने के लिए काफी संघर्ष और निराशा का सामना करना पड़ता है। क्रॉस सूर्य रेखा के किनारे स्थित हो, तो यह पद और प्रसिद्धि प्राप्त करने में निराशा को दर्शाता है।

भाग्य रेखा पर क्रॉस------

यदि क्रॉस भाग्य रेखा के किनारे की ओर स्थित हो तो यह व्यक्ति के कॅरियर में बाधाएं उत्पन्न करता है। रिश्तेदारों का विरोध और भविष्य में कठोर परिवर्तन आता है।

- यदि किसी व्यक्ति की हथेली में शनि क्षेत्र (मध्यमा अंगुली के नीचे वाले भाग को शनि क्षेत्र कहते हैं।) पर क्रॉस का चिहन हो और भाग्य रेखा को स्पर्श करता हो तो ये निशान अशुभ होता है। ऐसा क्रॉस यह संभावना व्यक्त करता है कि व्यक्ति किसी दुर्घटना का शिकार हो सकता है। अत: वाहन आदि के प्रयोग में पूरी सावधानी रखनी चाहिए।

- यदि सिर्फ शनि क्षेत्र पर ही क्रॉस का निशान बना हो तो व्यक्ति निराशावादी, उत्साहहीन और आलसी हो सकता है

मस्तिष्क रेखा पर क्रॉस------

अगर क्रॉस का चिह्न मस्तिष्क रेखा को छू ले, तो यह मस्तिष्क पर चोट या दुर्घटना की भविष्यवाणी करता है।

यात्रा रेखा पर क्रॉस------

अगर यात्रा रेखा पर क्रॉस निशान हो तो जातक की यात्रा करते समय मृत्यु हो सकती है ।

इसी तरह जिस भी रेखा या पर्वत पर क्रॉस का निशान होता है । जातक उसी प्रकार से दुख का भागीदार होता है ।

‘,,,

,,,

रहस्य क्रोस--

हथेली के केंद्र में मष्तिष्क रेखा और हृदय रेखा के बीच के क्रॉस को प्रेरणा रेखा , रहस्य क्रॉस या छठी इंद्री रेखा कहा जाता है। यदि आपके हाथ में रहस्य क्रॉस का निशान है, तो आपके पास भविष्यवाणी करने की अच्छी छठी इंद्रिय हो सकती है और आपके सपने में दृश्य हमेशा सच हो सकते हैं । यदि आपकी बाईं और दाईं हथेली पर रहस्य क्रॉस हैं, तो आप हमेशा रहस्यमय और गूढ़ बातों का अध्ययन करना पसंद करते हैं; आप प्रतिभाशाली, महत्वाकांक्षी और

व्यावहारिक हैं, एक धार्मिक व्यक्ति है और आप चिकित्सा, ज्योतिष और भाग्य बताने के बारे में उत्साही हो सकते हैं।

यह माना जाता है कि भारत से, हस्तरेखा विज्ञान का ज्ञान और अभ्यास चीन, तिब्बत, मिस्र, फारस और यूरोप के कई अन्य देशों के माध्यम से दुनिया भर में फैला हुआ है।

यह भी कहा जाता है कि यह ग्रीस के विद्वान अनएक्सगोरस थे, जिन्होंने अपने समय के दौरान भारतीय उपमहाद्वीप में हस्तरेखा विज्ञान के बारे में सीखा और बाद में हेमीज़ के साथ ज्ञान साझा किया।

हथेली के अध्ययन के माध्यम से भविष्यवाणी करने की इस लोकप्रिय प्राचीन प्रथा की जड़ें भारतीय (हिंदू-वैदिक) ज्योतिष से जुड़ी हैं। दुनिया भर के कई शास्त्रों के आधार पर, यह माना जाता है कि कई हजार साल पहले, हिंदू ऋषि वाल्मीकि ने 567 छंदों वाली एक पुस्तक लिखी थी।

मिस्र के विद्वानों का सुझाव है कि अलेक्जेंडर द ग्रेट ने अपनी हथेली पर यह अद्वितीय निशान खोजा था, जो शायद ही दुनिया में किसी और की हथेली में पाया गया था। कालान्तर में पूरी आबादी में से केवल 3% लोगों ने ही क्रोस निशान होने का दावा किया है।

जिन लोगों की दोनों हथेलियों पर ऐसा निशान पाया जाता है, उन्हें इस दुनिया से चले जाने के बाद भी सदियों तक याद किया जाता है, जिन लोगों के केवल एक हथेली पर ऐसा निशान हो तो उन्हें भी जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफलता प्राप्त होती है और वे काफी प्रसिद्धि हासिल करते हैं.

ऐसे लोगों की छठीं ज्ञानेन्द्रिय बहुत काम करती हैं ये किसी भी आने वाले खतरे, धोखे और विश्वासघात को भांप लेते हैं.

ऐसे लोगों में सक्रिय छठी इंद्रिय या अंतर्ज्ञान होता है। समय के साथ वे अपने चारों ओर एक विशेष ऊर्जा चक्र का निर्माण करते हैं, जिससे उनके आस-पास के लोग प्रभावित हुए बिना नहीं रह सकते।

उनसे झूठ बोलने की कोशिश करना, खतरनाक होता है. वे क्षमा कर सकते हैं, लेकिन वे कभी भूलते नहीं हैं । उन्हें कोई भी कुछ भी नुकसान नहीं पहुंचा सकता है; ऐसी उनकी भाग्य की ताकत होती है।

इनका भाग्य इतना साथ देता है कि इन्हें कोई नुकसान नहीं पहुंचा सकता है.

ऐसे लोग बहुत ही बुद्धिमान, संवेदनशील और तेज याददाश्त वाले होते हैंये कुछ भी बहुत जल्दी सीख सकते हैं और . अपनीरणनीतियों को प्रभावी रूप देने में बिल्कुल पीछे नहीं हटते हैं

मास्को से एसटीआई विश्वविद्यालय ने इस दावे की विश्वसनीयता को निर्धारित करने के लिए, हाल ही में एक शोध किया और हथेलियों पर क्रोस निशान के विषय पर एक पेपर जारी किया और जो लोगों के भाग्य से संबंधित है।

विश्वविद्यालय ने 2 मिलियन से अधिक लोगों के डेटा को एकत्र किया और उनका विश्लेषण किया, जो जीवित और मृत दोनों थे; और निष्कर्ष निकाला कि जिन लोगों के पास दोनों हथेलियों पर क्रोस अक्षर था, वे या तो नेता थे या समाज में अत्यधिक लोकप्रिय व्यक्ति थे, जिनको महानता के लिए याद किया जाता है ।

जिनकी हथेलियों में यह निशान था, वे दुर्लभ व्यक्ति महान यूनानी सम्राट अलेक्जेंडर द ग्रेट व राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन थे। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की हथेली में भी ऐसा निशान है.

ये लोग तेज, सहज ज्ञान युक्त होते हैं, इनकी स्मरण शक्ति काफी होती है। वे अपने आस-पास की व्यवस्था को अनुकूल बनाना जानते हैं. और इनके साथ कोई उपद्रव करना आसान नहीं होता हैं।

इस प्रकार आपने देखा कि रहस्य क्रोस अति महत्वपूर्ण होता है. यदि आपकी हथेली में भी यह है तो आप दुनिया के एक महान व्यक्तित्व है.